



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 36]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 8, 2017/ माघ 19, 1938

No. 36]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 8, 2017/MAGHA 19, 1938

आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय (आयुष)

संकल्प

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 2017

फा. सं. ए.11019/08/2016-एचपीसी(पीसीआईएमएंडएच).—औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और विनियमावली, 1945 आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (एसयूएंडएच) औषधियों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता का प्रचार करते हैं और इनको सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एसयूएंडएच औषधियों के विनिर्माताओं/निर्यातकों/आयातकों को अपनी-अपनी चिकित्सा पद्धति के भेषजसंहितागत गुणवत्ता मानकों का अनुपालन करना अनिवार्य है। इस उद्देश्य के लिए गठित एसयूएंडएच चिकित्सा पद्धति की भेषजसंहितागत समितियों ने भेषजसंहितागत मानकों को विकसित और अनुमोदित किया है। पूर्ण समन्वय, सामंजस्य, उनकी अंतर्राष्ट्रीय पहचान और विभिन्न भेषजसंहिता समितियों को एक स्थान पर लाने के लिए भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी (पीसीआईएमएंडएच) भेषजसंहिता आयोग की स्थापना करने का निश्चय किया गया है। सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 की संख्या 21) के तहत एक सोसाइटी के रूप में पीसीआईएमएंडएच की स्थापना आयुष मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन के रूप में नियमित आधार पर परस्पर क्रियाकलापों के निष्पादन जैसे कि भेषजसंहितागत गुणवत्ता मानक का विकास, भारतीय आयुर्वेदिक भेषजसंहिता (एपीआई), भारतीय सिद्ध भेषजसंहिता (एसपीआई), भारतीय यूनानी भेषजसंहिता (यूपीआई), भारतीय होम्योपैथिक भेषजसंहिता (एचपीआई), भारतीय होम्योपैथिक फॉर्माल्यूरि (एचपीआई), भारतीय आयुर्वेदिक फॉर्माल्यूरि (एएफआई), भारतीय सिद्ध फॉर्माल्यूरि (एसएफआई), राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा फॉर्माल्यूरि (एनएफयूएम) और कोडेक्स एवं अन्य संबंधित प्रकाशनों के प्रकाशन और संशोधन के अधिदेश के साथ की गई है। ये भारत में बिक्री के लिए आयातित, विनिर्मित, बिक्री अथवा वितरण हेतु, संग्रहित और प्रदर्शित औषधियों की पहचान, शुद्धता और क्षमता के गुणवत्ता मानकों के संग्रह हैं। पीसीआईएमएंडएच आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी औषधियों के विनिर्माण में प्रयुक्त

वानस्पतिक और रासायनिक/पादप रासायनिक संदर्भ मानकों का भंडार तैयार करता है और उसका अनुरक्षण भी करता है तथा पणधारियों को संदर्भ मानकों के रूप में उनकी समूल्य आपूर्ति करता है।

2. इस मामले पर उच्च स्तर पर विचार किया गया है और भारत सरकार ने निश्चय किया है कि आयुष मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों, भारतीय चिकित्सा भेषजसंहिता प्रयोगशाला (पीएलआईएम), गाजियाबाद और होम्योपैथी भेषजसंहिता प्रयोगशाला (एचपीएल), गाजियाबाद पीसीआईएमएंडएच की स्थायी सहायक संरचना (जन शक्ति, अवसरचना और सामग्री के संदर्भ में) के रूप में कार्य करेंगे। वे क्रमशः आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (एएसयूएंडएच) चिकित्सा पद्धति के लिए भेषजसंहितागत मानकों के विकास और औषधि मानकों के सत्यापन हेतु प्रयोगशालाओं के रूप में आयोग की सहायता करेंगे। औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम और उसके अंतर्गत तैयार किए गए नियमों के तहत शीर्ष/सांविधिक अपीलिय प्रयोगशाला के सभी सांविधिक कार्य पीएलआईएम और एचपीएल द्वारा अपनी-अपनी चिकित्सा पद्धतियों के लिए किए जाएंगे। पीसीआईएमएंडएच अब से एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करेगा, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत विशेष बजटीय आबंटन सहित केंद्र सरकार द्वारा पूर्ण रूप से निधियां प्रदान की जाएंगी।

अनिल कुमार गनेरीवाला, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF AYURVEDA, YOGA AND NATUROPATHY, UNANI,
SIDDHA AND HOMOEOPATHY (AYUSH)**

RESOLUTION

New Delhi, the 5th January, 2017

F. No. A.11019/08/2016-HPC (PCIM&H).—Drugs and Cosmetics Act, 1940 and Rules, 1945 promulgate quality, safety and efficacy of Ayurveda, Siddha, Unani and Homeopathy (ASU&H) drugs and to ensure them, it is the mandatory pre-requisite for manufacturer/ exporter/ importer of respective ASU&H drugs to comply with the pharmacopoeial quality standards of the respective system of medicine. The pharmacopoeial standards were developed and approved for publication by the Pharmacopoeial Committees of ASU&H system of medicine, constituted for this purpose. For proper coordination, harmonization, their international recognition and to bring out different Pharmacopoeial Committees under one umbrella, it has been decided to establish Pharmacopoeia Commission for Indian Medicine & Homoeopathy (PCIM&H). PCIM&H is established as an autonomous organization as a Society under the Societies Registration Act, 1860 (No. 21 of 1860) under the Ministry of AYUSH with a mandate to perform inter-alia functions such as development of the pharmacopial quality Standard, Publication and revision of the Ayurvedic Pharmacopoeia of India (API), Siddha Pharmacopoeia of India (SPI), Unani Pharmacopoeia of India (UPI), Homoeopathic Pharmacopoeia of India (HPI), Ayurvedic Formulary of India (AFI), Siddha Formulary of India (SFI), National Formulary of Unani Medicine (NFUM) and Codex & other related publications on regular basis. These publications are the official and regulatory books of the standards of drugs included therein, in terms of First Schedule and other related Rules for Ayurvedic, Siddha, Unani (ASU) systems of medicine while Second Schedule and other related rules for the Homeopathic system of medicine, of the Drugs and Cosmetic Act, 1940 and Rules 1945. They are the compendia of quality standards of identity, purity and strength of the drugs imported, manufactured for sale, stocked or exhibited for sale or distributed in India. PCIM&H will also generate and maintain repository of Botanical and Chemical/ Phyto-chemical Reference Standards used in standardization of Ayurveda, Siddha, Unani and Homoeopathy Medicines and supply them as reference standards to stake holders on price.

2. The matter has been considered at the highest level and the Government of India have decided that the Pharmacopoeial Laboratory for Indian Medicine (PLIM), Ghaziabad and Homoeopathic Pharmacopoeial Laboratory (HPL), Ghaziabad, subordinate offices under Ministry of AYUSH shall function as the permanent supporting structure (in terms of manpower, infrastructure and material) of the PCIM&H. They shall support the Commission as laboratories for developing Pharmacopoeial standards and validation of the drug standards for Ayurvedic, Siddha, Unani and Homoeopathy (ASU&H) system of medicine, respectively. All the statutory work of Apex/ Statutory Appellate Lab under the Drugs & Cosmetics Act & Rules there under shall be performed by the PLIM and HPL for respective systems of medicine. PCIM&H will henceforth function as an autonomous body, fully financed by the Central Government with specific budgetary allocations under the Ministry of AYUSH, Government of India.

ANIL KUMAR GANERIWALA, Jt. Secy.